विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ लखीसराय
वर्ग -दशम्
विषय-हिन्दी

।।पुनरावृति ।।

प्रश्न1. आपके विचार से मां ने ऐसा क्यों कहा की लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?
उत्तर. मां ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जिससे उसकी बेटी विपरीत परिस्थितियों का सामना कर सके और अन्याय व अत्याचार का शिकार ना हो पाए।

प्रश्न2. 'आग रोटियां सेंकने के लिए है।
जलने के लिए नहीं।
(क) इन पंक्तियों से समाज में स्त्री की किस स्थिति की ओर संकेत किया गया है?
(ख) मां ने बेटी को सचेत करना क्यों जरूरी समझा?
उत्तर. (क) इन परिस्थितियों में समाज में स्त्रियों की कमजोर स्थिति और ससुराल में परिजनों द्वारा शोषण करने की और संकेत किया गया है।क्योंकि कभी-कभी बहुएं इस शोषण से मुक्ति पाने के लिए स्वयं को आग के हवाले करके अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेती हैं।

(ख) मां ने बेटी को सचेत करना जरूरी समझा ताकि वह अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को भलीभांति जान सके तथा अच्छे और बुरे में अन्तर कर सके तथा हिम्मत से अन्याय का सामना कर सके।

प्रश्न3. 'पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की'

इन पंक्तियों को पढ़कर लड़की की जो छवि आपके सामने उभर कर सामने आ रही है,उसे शब्दबद्ध कीजिए।

उत्तर. इन पंक्तियों को पढ़कर लड़की की छवि हमारे सामने उभर आई हैं कि वह लड़की सीधे-सादे सरल स्वभाव की लड़की थी। उसे व्यावहारिक ज्ञान बिल्कुल मालूम नहीं था। लड़की ने अपने घर परिवार व समाज मे स्री संबंधित परंपराओं रीति-रिवाजों एवं आदर्शों को देखकर थोड़ा बहुत अनुभव प्राप्त किया था। अभी उसे परंपराओं व रीति-रिवाजों एवं संस्कारों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का आरंभिक जीवन था।

प्रश्न4. मां को अपनी बेटी 'अंतिम पूंजी' क्यों लग रही थी?

उत्तर. मां को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' इसलिए लग रही थी क्योंकि बेटी ही अपनी मां के सुख-दुख में हमेशा साथ देने वाली और चलने वाली होती है। बेटी अपनी मां के सबसे करीब होती है। मां अपने जीवन के संपूर्ण संस्कारों को उसमें भर देती है।

प्रश्न5. आपके विचार से माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी?

उत्तर. मां कहती हैं कभी भी अपनी सुंदरता पर इतराना नहीं क्योंकि असली सुंदरता तो मन की होती है।

मां कहती है कि अच्छे कपड़े और महंगे आभूषण बंधन की तरह होते है उनके चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए।

वह कहती आगी आपका काम तो चोला जलाकर करो को जोड़ने का है ना कि अपने आप को और अन्य लोगों को दुख में दिलाने का अंत में मां कहती है कि लड़की जैसी दिखाई मत देना।

प्रश्न6. आपकी दृष्टि से कन्या के साथ दान की बात करना कहां तक उचित है?

उत्तर. भारतीय संस्कृति में कन्यादान को सबसे बड़ा दान माना जाता है। कन्यादान से अभिप्राय है कि लड़की के विवाह के पश्चात विदाई। लेकिन दान शब्द का अर्थ यह नहीं कि उससे हमेशा के लिए संबंध टूट गया। कन्यादान के पश्चात लड़की को

अपनी इच्छा अनुसार वस्तुएं दी जाती है, परंतु उसे कन्या का दान देना नहीं कहा जा सकता। यह हमारी दृष्टि से बिल्कुल अनुचित है।